

28/11/24

पत्रावली पत्रावली के लिए / पत्रावली पत्रावली के लिए
किताब / पत्रावली के लिए / पत्रावली के लिए
28/11/24 को पत्रावली के लिए / 28/11/24

28/11/24

पत्रावली के लिए किताब के लिए /

पत्रावली के लिए किताब के लिए -

पत्रावली के लिए किताब के लिए किताब के लिए
किताब के लिए किताब के लिए किताब के लिए
136 CR Act 1956 इस बाबत किताब के लिए
किताब के लिए किताब के लिए किताब के लिए
किताब के लिए किताब के लिए किताब के लिए



कोर

तारीख
दुपचा

शु. सुबन्ध सं. 346 रकबा (वीच्या
आराखी दर्ज रिपोर्टनी / जमा
संवत् 2035-38 चे उक्त आराखी

रवातेदारी चे दर्जनी /
वर्तमान कर्जावस्तु चे कुं. सुबन्ध रिवाज

द्वारा गत रवायत नं. 341 कुं नये रवायत
नं. 1229/0-25 आप्त किए गइलल्या

रवातेदारी के स्थान पर उक्त आराखी
को गैटरवातेदारी चे दर्ज कर दिया गया।

शान्ति द्वारा अनुदेश किया गया कि
कुं. सुबन्ध द्वारा किए गए वृद्धिपूर्ण

क्रेडिट को उल्टे किया जावे तथा
उक्त आराखी के प्रबन्ध में गैटरवातेदार

ब्राह्म को सुट्ट कर रवातेदार किया जावे।

शान्ति द्वारा अपने आवेदन के साथ
रवातेदारी सं. 1212 वाक़ प्राप्त केंद्र,

जमा कर्जा संवत् 2035-38, अन्तःकार
नं. 970, मिलान क्रमफल 2038-57

Handwritten signature

उपखण्ड अधिकारी
कोटा

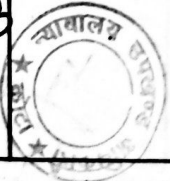


शु. सुबन्ध सं. 346/20178
उपखण्ड अधिकारी कोटा
136

तारीख दुपचा
16/11

सन्नाहन्दी संवत् २०६९-७२, सन्नाहन्दी
संवत् २०६५-६८ संवत् १९९८ गण

शालीबापरा दर्ज कर सन्नाहन्दी तहसील, लाङपुरा से प्रतिउत्तर प्राप्त किया गया, जो ग्रामिण पत्रावली में दर्ज है। तहसीलदार लाङपुरा द्वारा संवत् १९९८ में वर्णित किया गया है कि राज कृष्ण श्री आराम्बी ख. नं. १२२१ रकबा ०.२५ म. वर्तमान में महीन कलश, मन्दीर, नसीरुद्दौलत पि. मरमद, मुसलमान सा. डेट गैरखालदार क्र. नं. दर्ज गैरमद है। इसके सर्टिफिकेट पूर्व ख. नं. ३५८ रकबा एक बीघा ६ किल्ला था। उक्त भूमि का खालदारी पट्टा दिनांक २७.५.१९७८ को श्रीमान अनिल लाला प्रबोदर उपनिवेशान मीरा द्वारा जारी किया गया था। जिसके आधार पर नात्रान्त १९९८/सि. ७७० दर्ज किया जाकर संवत् २०३५-३६ की सन्नाहन्दी में उक्त आराम्बी पर खालदारी दर्ज की जा चुकी थी। किन्तु सर्टिफिकेट बाद पुनः नवीन खसय व.



ह
उपनिवेश अधिकारी

0.25 NLT
1229
रव. नं. 1229

1229 नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

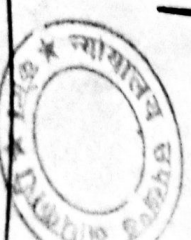
नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव

नदी के तट पर स्थित गांव



अ/ लैटल चैन्ट को पूर्व ग्राम कैनून में
ख.न. 346 रकबा 1 बीघा 6 बिस्वा
(हीम बहना, मजीद, मसीर मोहम्मद पिता
मोहम्मद कौम मुसवमान सा. देह दली
रिजिस्ट्री भी।

ब/ श्रीमान अति. जिला कलेक्टर चंडीदप
(उपनिवेदान) कोटा द्वारा रवातझरी खनद
नं. 1212 को दस्तगत रखया चंडीद
(29/1/38) पर रवातझरी को अन्वय प्रदान किए गए

क/ रवातझरी खनद नं. 1212 की पालना में
ग्राम कैनून में नामान्तरकरण सं. 770
दर्ज किया गया। तथा गैर रवातझरी के
स्थान रवातझरी दर्ज किया गया।

द/ नामान्तरकरण सं. 770 का अन्वय
में अमल संवत् 2035-38 तक पूर्व
ही मुका धा। क्योंकि अन्वय संवत्
2035-38 में हीम बहना, मजीद, मसीर
मोहम्मद पिता मोहम्मद कौ रवातझरी
इजाया गया है तथा नामान्तरकरण सं.



5
उपलब्ध आवकासे
कोटा

तारीख

११० के अग्रक फा नीट अंकित है।
१) मिलान अग्रफल संवत् २०३८-५७
के अनुसार गत दरम्या नं. ३५६ का
नवीन दरम्या नं. १२२९ रकका ०-२५ HPT
बनाया गया है।

३) अत्रावन्दी संवत् २०१५-१८ से प्रमाणित
है कि नं. ११० पर अग्रक इस्तगत
दरम्या नं. का रीट रवावेडाट दर्ज कर दिया
गया।

उक्त परिस्थितियों में अग्रक
इस्तगत दरम्या नं. ३५६ पर रवावेडाटी
संवत् १५२ दिनांक २७/५/७८ द्वारा रवावेडाटी
दिया जाना प्रमाणित है, उक्त रवावेडाटी
संवत् की पालना में नामान्तरकरण संख्या
११० दर्ज किया जाना प्रमाणित है,
उक्त नामान्तरकरण का अत्रावन्दी संवत्
२०३५-३८ में अग्रक हीना प्रमाणित है,
इस शर्तों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनापत्र
अन्तर्गत संख्या १३६ CR APT दर्जिगाट
किया जाना न्यायोचित पावे है।

अधिकारी
कोटा



मतः प्राचीन द्वारा प्रस्तुत प्रान्तों का
 पत्र अन्तर्गत भाग 136 LR A 4-1956
 एवीकार कर आदेशों दिख जाते हैं कि
 ग्राम केंद्रों की आराज्जी खसरा नं.
 1229 पर दौरान खसरा नं. के लिए
 मुद्रित इन्डियन गैरखसरा का दुबल
 कर गैरखसरा के हिसाब पर खसरा
 शब्द दर्ज किया जावे।

विर्णय की पालना हेतु निर्णय की
 प्रति तहसीलदार ब्राह्मपुर का प्रेषित की
 जावे।

पत्रावली के अन्तर्गत ही कर दाखिल
 दफ्तर है।

28/11/56
 उपखण्ड अधिकारी
 कोटा

